



Neutral Citation No. - 2026:AHC:28346-DB

उच्च न्यायालय इलाहाबाद

आपराधिक प्रकीर्ण रिट याचिका संख्या - 2168 वर्ष 2026

प्रेम अहिरवार उर्फ प्रिंस और अन्य

.....याचिकाकर्ता(गण)

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य और 4 अन्य

.....प्रत्यर्थी(गण)

याचिकाकर्ता(गण) के अधिवक्ता : राजेंद्र प्रसाद तिवारी, विनय कुमार तिवारी, विनीत तिवारी

प्रत्यर्थी(गण) के अधिवक्ता : जी.ए., शिव कुमार सिंह

न्यायालय संख्या - 45

माननीय न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता

माननीय न्यायमूर्ति अचल सचदेव

1. याचिकाकर्ताओं के विद्वान अधिवक्ता, राज्य की ओर से विद्वान एजीए, प्रत्यर्थी संख्या 5 के विद्वान अधिवक्ता श्री शिव कुमार सिंह को सुना गया और अभिलेख का परिशीलन किया गया।
2. शुरुआत में ही, प्रत्यर्थी संख्या 5 के विद्वान अधिवक्ता ने अवगत कराया कि वर्तमान मामले में जांच पहले ही पूरी हो चुकी है और याचिकाकर्ताओं के विरुद्ध आरोप पत्र प्रस्तुत किया जा चुका है।
3. इसके विपरीत, याचिकाकर्ताओं के विद्वान अधिवक्ता उपरोक्त तथ्य का खंडन नहीं कर सके, लेकिन उन्होंने कहा कि वे इस याचिका पर जोर नहीं देना चाहते हैं और उचित स्तर पर उचित मंच के समक्ष जाने की स्वतंत्रता के साथ इसे वापस लेना चाहते हैं।
4. उपरोक्त बयान के आलोक में, यह रिट याचिका उपरोक्त स्वतंत्रता के साथ वापस लेने के आधार पर खारिज की जाती है।

(माननीय न्यायमूर्ति अचल सचदेव) (माननीय न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता)

9 फरवरी, 2026

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"